मीर आलम

मीर आलम का जन्म भारत के नार्थ वेस्ट फ्रंटीयर प्रोविंस में अटक में 1893 में हुआ। 1919 में वे मुंबई से समुद्री जहाज़ में एक महीना सफ़र करके वे लिवरपूल पहुँचे।

यहाँ पहुँचने पर पहले उन्होंने बंदरगाह में काम मिला और बाद में उन्होंने लिवरपूल की गलियों में फेरीवाले का काम किया। उन्होंने सैरा टेट के विवाह किया, और इस जोड़ी की एक पुत्री हुई। वे पिट्ट स्ट्रीट में रहते थे, और बम गिरने के समय वहाँ से सबसे पहले निकलने वाले परिवारों में वे भी थे। बाद में वे अपर स्टैनहोप स्ट्रीट में और फिर टॉक्सटैथ में सैंडन स्ट्रीट में रहे।

मीर आलम लिवरपूल के सबसे अधिक सम्माननीय भारतीयों में से एक थे। उन्होंने दोभाषिया बन कर बहुत से लोगों की मदद की और ऐनफ़ील्ड के कब्रिस्तान का एक भाग मुसलमानों के दफ़न के लिए रखने के लिए अभियान चलाया।

जब 1951 में उनका देहांत हुआ, तो बहुत से लोग इस पथप्रदर्शक को अपनी श्रद्धांजति अर्पित करने आए, जिसने लिवरपूल को 30 वर्षों तक अपना घर बनाया था।